

कोटा फिर बन सकता है पावरहाउस



विद्युत में कोटा संभाग को और अधिक सम्पन्न बनाने के लिए सरकार और कारोबारियों को मिलकर विभिन्न प्रकार के प्रयास करने होंगे। इन प्रयासों में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार तकनीक का विस्तार, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ढांचगत सुविधाओं का विस्तार, परिवहन, रोजगार के संसाधन सभी को मुहैया कराना इत्यादि प्रमुख हैं। इन प्रयासों को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए नए औद्योगिक केंद्रों की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। कोटा लघु उद्योग कार्डसिल के अध्यक्ष एल.सी.बाहेती के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि की अच्छी उपलब्धता है। इसीलिए ग्रामीण क्षेत्रों में एमएसएमई इकाइयां स्थापित करने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर, एसईजेड एवं नेशनल मैनुफैक्चरिंग संभाग स्थापना के लिए विशेष पैकेज जारी करने की मांग की है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा, ग्रामीणों के पलायन पर अंकुश लगेगा और शहरों पर दबाव कम होगा। कोटा में आबादी बढ़ने से किफायती आवासों की मांग निरंतर बढ़ रही है। सरकार शहर से बाहर बेहतर परिवहन के द्वारा किफायती आवास का निर्माण कर सकती है।

हैंगिंग ब्रिज के अभाव में यातायात की समस्या

कोटा में करीब 5 वर्ष पहले एक प्रमुख पुल टूट गया था। एक देशी कंपनी और विदेशी कंपनी मिलकर इस पुल को बना रही थी। विवाद के कारण कोटा में हैंगिंग ब्रिज नहीं बन पाया है। इस कारण भारी वाहनों का यातायात कोटा शहर के बीच से गुजरता है। एसएसआई अध्यक्ष सुरेश बंसल के अनुसार सरकार को पहल करके हैंगिंग ब्रिज निर्माण को शीघ्र शुरू करवाना चाहिए जिससे कोटा शहर में यातायात संबंधी समस्या कम हो सके और दुर्घटनाओं में कमी आये।



नये एयरपोर्ट की आवश्यकता

कोटा में हल्के विमानों की उड़ान के लिए एयरपोर्ट है लेकिन इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग के लिए पूरे देशभर में प्रसिद्ध कोटा में बड़े विमानों के लिए एयरपोर्ट नहीं है। प्रमुख औद्योगिक संस्थाओं के विद्यमान होने से यहां पर बड़े एयरपोर्ट की नितांत आवश्यकता है। कोटा



में आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने से यहां पर प्रतिदिन की फ्लाइट के लिए अच्छी मात्रा में ग्राहक मिलने की पूर्ण संभावना है। कोटा की अर्थव्यवस्था को विस्तार देने के लिए पूरे देश से कन्टेनरविद्योती होना जरूरी है इसलिए सरकार को यहां नये एयरपोर्ट को स्थापित करने की योजना बनानी चाहिए।

-नफा नुकसान टीम
संकलन : पुनीत जैन (99291 06227),
धैर्यवर्द्धन सिंह (99281 20134)

नयी जगहों पर नया विस्तार

कोटा शहर से बाहर नये बस अड्डे, एयरपोर्ट, वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट हब, आवासीय विद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग इत्यादि स्थापित की जा सकती हैं। क्योंकि बेहतर इंटरनेट सेवाओं के कारण किसी भी स्थान पर स्थापित होना और कारोबार करना बेहद आसान हो गया है। ऐसे नये क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संतुलन भी किया जा सकता है।

शहरीकरण का विस्तार

शहरीकरण के तहत शहरों के विस्तार तथा नये शहरों की स्थापना की आवश्यकता है। भूमि उपलब्धता में मौजूदा वन संरक्षण अधिनियम बाधक बन रहा है। संभाग के बंजर, पथरीले एवं वनस्पति रहित क्षेत्रों को औद्योगिक गतिविधियों के तहत इस्तेमाल करने की नीति बननी चाहिए। बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति भूमि की उपलब्धता काफी कम हो गई है और ढांचगत सुविधाएं संकुचित होती जा रही हैं। इस समस्या से निपटने के लिए आगामी 20 से 25 वर्षों के लिए कोटा संभाग स्तर पर स्पष्ट योजना बननी चाहिए। इसी प्रकार शहरों में विद्युत लाईनें, पानी की पाईप लाईनें और टेलिफोन केबल्स पूर्णतया भूमिगत होनी चाहिए तथा उन्हें चिह्नित करने हेतु सतह पर 5 से 10 मीटर की दूरी पर विभाग का लोको लगे ताकि सड़क मरम्मत या विस्तार के समय क्षतिग्रस्त होने से ये सेवाएं बाधित ना हों।

कोटा को चाहिए नया औद्योगिक क्षेत्र

कोटा शिक्षानगरी के रूप में जाना जाता है और वर्तमान में कोचिंग कारोबार से ही कोटा की अर्थव्यवस्था को ताकत मिल रही है। कोटा में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने की अच्छी संभावना है लेकिन औद्योगिक भूमि की कमी के कारण आशातीत गति से औद्योगिक गतिविधियां नहीं पनप पा रही हैं। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार कोटा में नये औद्योगिक क्षेत्र को स्थापित किये जाने की अत्यंत आवश्यकता है। कोटा में स्टोन पार्क स्थापित करने की काफी संभावना है लेकिन सरकार के स्तर पर कई घोषणाएं होने के बावजूद आज तक कोटा में स्टोन पार्क विकसित नहीं हो सका है। एसएसआई अध्यक्ष सुरेश बंसल के अनुसार कोटा के चारों तरफ वन भूमि होने से यहां नया औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने में परेशानी आ रही है क्योंकि वन भूमि को औद्योगिक गतिविधियों के लिए उपयोग लेने हेतु केन्द्र सरकार की मंजूरी आवश्यक होती है। कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के पास और औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जाने की योजना है लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई योजना मूर्त रूप नहीं ले पाई है। रामपुर के आगे इस औद्योगिक क्षेत्र के लिए करीब 300 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। कारोबारियों के अनुसार रोड नं. 7 के पीछे खाली जमीन को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।



- ननुदी

About StarAgri

Staragri collaborates with agri business community to help earn more from the harvest. We handle farm produce across the entire production and supply chain to enable agri businesses to deliver quality products to customers. Founded in 2006 and headquartered at Mumbai, India, our Company delivers value to all stakeholders across the agriculture value chain, including warehousing, procurement and collateral management of agri-commodities.

The team of StarAgri operating philosophy is to build and sustain partnerships between agri-commodities and customers for a more efficient market. This translates into better earnings for farmers and lower costs for buyers.

Breaking boundaries:

- StarAgri is the leading player in the agri-warehousing business
- StarAgri has presence in 20+ locations in India across 16 states
- StarAgri has over one million tonnes capacity in warehousing
- StarAgri's warehousing units include commodity exchanges (MCDEX, NICE, Index and Index)
- StarAgri holds commodity worth INR 25 billion as a General Manager
- StarAgri has 12 state-of-the-art commodity trading desks
- StarAgri is a ISO 9001:2008 & ISO 2000:2000 Certified Organisation
- StarAgri has NASD, SEBI, NSE, BSE, Star Labs accreditation with NASD and ISO EC-11402

Our Services

Our services reflect our in-depth understanding of largely fragmented and unorganized Indian agricultural markets. Staragri's portfolio of services is structured to enhance the overall competitiveness of the agricultural sector and agri-based industries while creating value for the farmer.

- Warehousing**
Staragri's warehouse operators deliver a smart window solution to the varied requirements of India's farmer.
 - Agri-warehouse capacity of around one million tonnes
 - 10-fold growth in turnover within the last 7 years
 - 18 branch offices serving different locations
 - 1 farm gate logistic available
 - Dedicated warehousing space provider for Multinational
 - Among the top three private warehousing providers in India
- Collateral Management**
Staragri delivers a warehouse based, secured and flexible collateral management services to help banks achieve priority lending targets in the agriculture sector.
 - Top up with 25 banks and financial institutions for collateral management services
 - Dedicated and qualified manpower to carry out collateral management services
 - State-of-the-art 'Start-ups with advanced quality' lending
 - A strong network at various agricultural production locations and markets
 - In depth experience and knowledge of quality and non-compliance
 - Strong rapport with local resources and networks in order to access accurate information on borrower profiles
 - Regular audits to minimize risk and enhance the overall efficiency in asset management
- Procurement**
Staragri has a consulting approach in its procurement strategy. Our in-depth knowledge of various commodities and far-reaching network in various markets ensure that agri-producers and millers are able to source high quality commodities at the most competitive terms.
 - Following are the brands that players derive from our procurement services:
 - Competitive sourcing**
 - Reliable services**
 - Efficient supply chain management**
 - Dedicated single point contact for large corporates**
 - Zero operational burden and high quality ensured**

Upcoming Projects

To realize the optimal potential of its agri-commodities, India needs to adopt global practices in storing agricultural produce. Staragri recognizes the need to promote the use of silos in warehouses to preserve food grains. Silos are scientifically designed structures to store grains. Staragri aims to expand its current warehouse capacity of 1 million tonnes by creating silos that will have additional capacity of 25,000 tonnes. The company also plans to create international hubs in Singapore and Dubai.

Understanding Your NEEDS

Delivering Efficiency to Agri-Businesses

Our Associate Banks & Financial Institutions

Pan-India Presence

Contact Details -

Mumbai Headquarters Front Desk: 022-26384500, +91 9321040770 | Email: reachus@staragri.com

Corporate Office - Mumbai | Registered Office - Jaipur | Regional Office-Kota

3rd Floor, Wing B, NSE, Exchange Plaza, Plot No. C/1, G Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai-400 051, Tel: +91 22 26384500

P.No.29, G-102, Molshree Residency, Mission Compound, Ajmer Road, Jaipur-302 005, Tel: +0141 2371079

251-A, Gobhi Bazar Circle, Transport Nagar, Jhokar Road, Kota, Tel: + 0744 2427777, 2428777

स्वाद व तैल से भरपूर

दीप ज्योति

रिफाइन सोयाबीन ऑयल

विश्वास शुद्धता का

ज्योति किरण

भालदार सरसों तेल

गोयल प्रोटीन्स लिमिटेड

कसार, राष्ट्रीय राजमार्ग-12, जिला- कोटा (राज.) फोन : + 91-744 - 2832331

www.goyalglobal.com

गोयल वेजऑयल्स लिमिटेड

!! श्री मधुरेशी जयते !!

विश्वास ही परम्परा ...

वल्लभम् सर्राफ

(रजि.)

तलवण्डी मेन रोड, कोटा, फोन: 0744-2407296

कुन्दन, मोती एवं एन्टीक ज्वैलरी का अनूठा संग्रह

उत्कृष्ट कारीगरी • वर्षों का अनुभव • आपका विश्वास

मेसर्स वल्लभम् ज्वैलर्स
रामपुरा बाजार, कोटा फोन : 0744-2381296

मेसर्स जमनादास मदनगोपाल सर्राफ
चौथमाता बाजार, कोटा फोन : 0744-2380484

कोटा शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर रामपुर स्थित कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के कारोबारी कई समस्याओं से त्रस्त हैं। इन समस्याओं में शहरी परिवहन की कमी, कामगारों की कमी, कमजोर जलापूर्ति, सामान्य सुविधाओं का अभाव, सुरक्षा की समस्या, स्थानीय ट्रांसपोर्ट का अभाव, कर छूट का प्रावधान ना होना, अनियमित विद्युत आपूर्ति, रॉ मैटेरियल ना मिलना, इंटरनेट, डाक व कोरियर सेवाओं का कमजोर प्रदर्शन इत्यादि प्रमुख हैं। अगर इन समस्याओं का हल किया जाये तो कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में और अधिक औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। गौरतलब है कि कुबेर औद्योगिक क्षेत्र तीन जोनों फूड पार्क जोन, एजुकेशन जोन और इण्डस्ट्री जोन में विभाजित है लेकिन सुविधाओं के अभाव में मात्र 30 से 40 औद्योगिक इकाइयों में ही औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं।

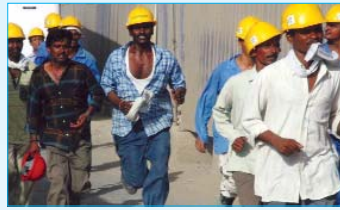
अपर्याप्त है शहरी परिवहन की सुविधा



कुबेर औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख औद्योगिक इकाई टिम इंजीनियरिंग के निदेशक राजकुमार जैन ने बताया कि कोटा शहर से कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के लिए परिवहन की सुविधा अपास है। कोटा शहर से कुछ टेम्पो और केवल दो सरकारी बसों द्वारा परिवहन किया जा सकता है। इससे कोटा शहर से आने वाले ग्राहकों और कामगारों को कुबेर औद्योगिक क्षेत्र आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। परिवहन सुविधा का अभाव होने के कारण यहां कामगार आने में आनाकानी करते हैं। कामगारों, ग्राहकों और कंपनी अधिकारियों को लाने-छोड़ने के लिए कार्यरत इकाइयों को व्यक्तिगत स्तर पर अपने वाहनों द्वारा परिवहन की व्यवस्था करनी पड़ती है।

संभावनाओं वाला कुबेर औद्योगिक क्षेत्र कई समस्याओं से है त्रस्त

कामगारों की कमी



कोटा शहर से दूरी व परिवहन की कमी जैसी विभिन्न समस्याओं के चलते कामगार कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में काम करने के प्रति आकर्षित नहीं होते हैं। जैन के मुताबिक उक्त कारणों से कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में कामगारों का अभाव रहता है और अत्यधिक मजदूरी पर कामगार रखने पड़ते हैं। सरकार यहां मजदूरों के आवास व अन्य सुविधाएं मुहैया करवाए तो यहां की औद्योगिक गतिविधियों के लिए सकारात्मक होगा।

कमजोर जलापूर्ति



अन्नत एनरसोल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रजनीश एस. चौहान ने बताया कि कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में जलापूर्ति कमजोर है। लोगों को अपने स्तर पर

पानी के बोरेवेल करवा कर पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है, वहीं पहाड़ी इलाका होने के कारण बोरेवेल खुदवाने में समस्या आती है।

सामान्य सुविधाओं का अभाव



किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में सुचारू तरीके से कार्य संचालन के लिए शॉपिंग सेंटर होना आवश्यक होता है, जहां कारोबारियों को कारोबार से संबंधित चीजें आसानी से मिल सकती हैं लेकिन कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में शॉपिंग सेंटर का अभाव है। रीको अगर यहां शॉपिंग सेंटर विकसित करे तो कारोबारियों को फोटोस्टेट, रेस्टोरेंट, रॉ-मैटेरियल और अन्य आवश्यक सामानों जैसी आवश्यक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल जाएगी। जैन के अनुसार कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में रेस्टोरेंट और अन्य सुविधाएं नहीं होने से यहां से करीब 8 किलोमीटर दूर अंतरपुरा के बाजार जाना पड़ता है।

स्थानीय ट्रांसपोर्ट का अभाव

कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में लोडिंग टेम्पो, ट्रक और अन्य स्थानीय ट्रांसपोर्ट का अभाव भी यहां की औद्योगिक गतिविधियों के लिए नकारात्मक साबित हो रहा है। जैन के मुताबिक स्थानीय स्तर पर ट्रांसपोर्ट



की सुविधा मुहैया नहीं होने से अंतरपुरा से ट्रांसपोर्ट के साधन मंगवाने पड़ते हैं। उन्होंने बताया कि मण्डाना स्थित सूखा बंदरगाह के लिए गाड़ी भेजना भी महंगा पड़ता है।

अनियमित विद्युत आपूर्ति



कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में अत्यधिक बार लाईट ट्रिपिंग होती है। इससे औद्योगिक इकाइयों को काफी नुकसान होता है। चौहान ने बताया कि उनका एलईडी लाईट निर्माण कार्य है और इसके लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता होती है लेकिन दिन में 8 से 10 बार ट्रिपिंग होने से औद्योगिक निर्माण कार्य में व्यवधान आता रहता है। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग को इस समस्या से बार-बार अवगत कराया गया है लेकिन विभाग की ओर से ग्रीड से आपूर्ति में

दिक्कतों को हवाला दिया जाता है। कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में निरंतर औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए अनियमित विद्युत आपूर्ति की समस्या का समाधान अतिआवश्यक है।

कर छूट का प्रावधान ना होना



जैन के मुताबिक शहर से बहुत दूर और नये औद्योगिक क्षेत्र में कारोबारियों को बेहद कठिन परिस्थितियों को सामना करना पड़ता है लेकिन फिर कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में कारोबारियों को किसी भी प्रकार की करों में छूट नहीं मिली हुई है। अगर सरकार नये कुबेर औद्योगिक क्षेत्र जैसे नये औद्योगिक क्षेत्रों में कर छूट का प्रावधान देती है तो प्रदेश के कारोबार में अधिक इजाफा हो सकता है।

रॉ-मैटेरियल का न मिलना



जैन ने बताया कि राजस्थान में औद्योगिक गतिविधियों में कमी का कारण यहां किसी भी प्रकार का रॉ मैटेरियल ना मिलना है। सभी प्रकार के रॉ मैटेरियल गुजरात, महाराष्ट्र और नई दिल्ली इत्यादि जगहों से मंगवाने पड़ते हैं। राजस्थान की औद्योगिक स्तर पर प्रगति करनी है तो यहां पर रॉ-मैटेरियल निर्माण करने वाले उद्योगों की स्थापना करनी पड़ेगी। सरकार को इस संबंध में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

- नफा नुकसान टीम

कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के पास डेयरी फार्म खोलने की वृहद् संभावना

कुबेर औद्योगिक क्षेत्र में शिव एडिबल ऑयल और दिव्या फूड जैसी डेयरी प्रोडक्ट बनाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अत्यधिक मात्रा में दूध की आवश्यकता पड़ रही है। लेकिन इन औद्योगिक इकाइयों में मांग के मुकाबले आपूर्ति में काफी कमी दर्ज की जा रही है इसीलिए कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के नजदीक डेयरी फार्म स्थापित करने की वृहद् कारोबारी संभावना उजागर हो रही है। डेयरी फार्म 1000 से 5000 मीटर की भूमि में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। अच्छी किस्म के दुधरू पशु और देखभाल करने के लिए ग्रामीण डेयरी फार्म कारोबार के लिए मूलभूत आवश्यकता है। कोटा स्थित कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के पास ग्रामीण क्षेत्र होने की वजह से डेयरी फार्म कारोबार स्थापित करने की अच्छी संभावना है। यह कारोबार अन्य कारोबार से अपेक्षाकृत कम पूंजी पर शुरू किया जा सकता है। जानकारों के अनुसार कोटा में प्रतिदिन 1.50 लाख लीटर दूध की खपत होती है इसीलिए कोटा में डेयरी कारोबार में अच्छी संभावना है। कुबेर औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित



इलाकों में डेयरी फार्म स्थापित करना आकर्षक इसलिए हो गया है क्योंकि यहां स्थित दो प्रमुख डेयरियों शिव ऑयल और दिव्या फूड में उत्पादित सारा दूध खप जायेगा। इन डेयरियों में फेड के आधार पर दूध की कीमत तय की जाती है। डेयरी फार्म कारोबार में एक जमीन और दुधरू पशुओं पर निवेश करना होता है फिर केयर टेकर और नियमित टीकों पर निवेश करना होता है। इसके बाद निरंतर अच्छी कमाई होती रहती है क्योंकि वर्तमान में दूध की मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। इसके अलावा दुग्ध उत्पाद जैसे छाछ, दही और घी से भी अच्छी कमाई हो सकती है।

- नफा नुकसान टीम

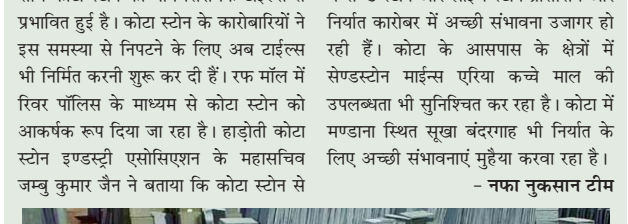
ढल रहा है कोटा स्टोन कारोबार

कोटा का स्टोन अपनी स्थायी प्रकृति और लंबे समय तक चलने के कारण विश्वप्रसिद्ध है लेकिन गत कुछ वर्षों में सरकारी योजनाओं में कोटा स्टोन की मांग घटने से कोटा स्टोन के कारोबार में कमी दर्ज की गई है। इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में कोटा स्टोन का कारोबार करने वाली करीब 10 से 15 इकाइयां बंद होकर बिक गई हैं। हालांकि कोटा स्टोन कारोबारियों को विश्वास है कि देश में नई सरकार आने से इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में सुधार आने के कारण दो से तीन साल में कोटा स्टोन के कारोबार में सुधार आ सकता है।

समय के साथ बदलाव: अन्य स्टोन के साथ कोटा स्टोन की मांग सिरेमिक टाइल्स से प्रभावित हुई है। कोटा स्टोन के कारोबारियों ने इस समस्या से निपटने के लिए अब टाइल्स भी निर्मित करनी शुरू कर दी हैं। रफ मॉल में रिवर पॉलिस के माध्यम से कोटा स्टोन को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। हाड़ौती कोटा स्टोन इण्डस्ट्री एसोसिएशन के महासचिव जम्बु कुमार जैन ने बताया कि कोटा स्टोन से

लाईम और सेण्ड स्टोन निर्यात में संभावनाएं : कोटा स्टोन कारोबारियों के अनुसार कोटा स्टोन कारोबार के अलावा कोटा में सेण्ड स्टोन और लाईम स्टोन प्रोसेसिंग और निर्यात कारोबार में अच्छी संभावना उजागर हो रही है। कोटा के आसपास के क्षेत्रों में सेण्डस्टोन माईन्स एरिया कच्चे माल की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रहा है। कोटा में मण्डाना स्थित सूखा बंदरगाह भी निर्यात के लिए अच्छी संभावनाएं मुहैया करवा रहा है।

- नफा नुकसान टीम



यही हमारी विरासत।
यही हमारा भविष्य।



जिस भविष्य का सपना हम सबने मिलकर देखा था उसको नीचे उतारने में यकीन डूढ़े हैं। डी सी एम श्रीराम का नाम महान परम्परा का प्रतीक है जो भविष्य में हमारा मार्ग-दर्शन करेगा। दृढ़ मान्यताएं, गुणवत्तापूर्ण संसाधन और उत्कृष्टता का अनुसरण। अब वक़्त है इन पर अपनी नींव बनाने का और भविष्य को स्वयंसेवा बनाने का।

'डी सी एम श्रीराम कन्सोलिडेटेड लिमिटेड' अब है 'डी सी एम श्रीराम लिमिटेड'

श्रीराम फ़र्टिलाइज़र एंड केमिकल्स | श्रीराम अल्कली एंड केमिकल्स
डी एस सी एल शुगर | बायोसीड | फेनेस्टा बिल्डिंग सिस्टम्स | श्रीराम सीमेंट

www.dcmshriram.com




ए.सी. बाहेती अध्यक्ष

के. वी. नन्दवाना सचिव

लघु उद्योग कौंसिल ऑफ कोटा

चम्बल औद्योगिक क्षेत्र, कोटा. फोन : 0744-2209804, 2480845



Onest
Happy Family
its time to have PURE



इंजीनियरिंग कोचिंग और शिक्षा का सेचुरेशन

पांच वर्षों की औद्योगिक मंदी और मांग की अपेक्षा अत्यधिक आपूर्ति के कारण इंजीनियरिंग कोचिंग और शिक्षा में ऊपरी सीमा (सेचुरेशन) आने के संकेत मिल रहे हैं। गौरतलब है कि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग और शिक्षा के लिए कोटा शहर देशभर में प्रमुख स्थान रखता है। इस क्षेत्र के कारोबारियों से बातचीत करने पर इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के रुझान में कमी आने के संकेत मिल रहे हैं।

गुरुकुल इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक राकेश गौतम के अनुसार इंजीनियरिंग के प्रति छात्रों का रुझान कम हो रहा है। वर्ष 2008 तक इंजीनियरिंग के प्रति छात्रों का मोह उच्चतम स्तर पर था लेकिन फिर आर्थिक मंदी के कारण इसमें गिरावट आयी। 2010 से 2012 तक इस रुझान में सुधार दर्ज किया गया लेकिन इंजीनियरिंग के प्रति आकर्षण में फिर से कमी दर्ज की जा रही है। अपेक्ष इंजीनियरिंग के कच्चीन महेश गौतम के अनुसार वर्ष 2008 के मुकाबले वर्तमान में कई इंजीनियरिंग संस्थान खुल गये हैं और सेंटों भी काफी बढ़ गयी हैं।

सीटें नहीं भरने से ऐसा लगता है कि इंजीनियरिंग के प्रति छात्रों का आकर्षण घट रहा है लेकिन वर्ष 2008 के मुकाबले वर्तमान में इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों की संख्या को देखा जाये तो इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों की संख्या में 20 प्रतिशत इजाफा नजर आयेगा।



क्रिएटिविटी पर निर्भर होगी सफलता

वर्तमान में प्रत्येक क्षेत्र में भारी प्रतिस्पर्धा है। आशातीत सफलता अर्जित करने के लिए हर किसी को अपना सर्वोत्तम परिणाम देना होता है। इंजीनियरिंग कॉलेजों को सर्वोत्तम परिणाम देने के लिए ज्यादा से ज्यादा रचनात्मक कार्यों पर निर्भर होना होगा। गुरुकुल इंजीनियरिंग संस्थान के निदेशक राकेश गौतम के अनुसार जैसे इंजीनियरिंग में सेचुरेशन आ रहा है, वैसे-वैसे अच्छा परिणाम देने वाले संस्थानों की पूछ बढ़ेगी।

गौतम ने कहा कि उनकी संस्था में छात्रों को औद्योगिक क्षेत्र में रचनात्मक कार्य को समझाने के लिए सुसज्जित कार्यशाला स्थापित की गई है। वहां छात्रों ने कई प्रकार के रचनात्मक प्रयोग कर इंजीनियरिंग उत्पाद बनाए हैं। इनमें साइकिल से खेतों में पानी संचित करने वाली मशीन, कई काम करने वाली आटा मशीनें इत्यादि प्रमुख हैं। इन रचनात्मक कार्यों से ही इंजीनियरिंग छात्रों को औद्योगिक क्षेत्र की समझ आती है और एक इंजीनियरिंग संस्थान सही मायनों में एक सक्षम इंजीनियर तैयार कर पाता है। अपेक्ष इंजीनियरिंग के महेश गौतम ने बताया कि कोटा में काफी इंजीनियरिंग कॉलेज खुल गये हैं लेकिन अच्छी

शिक्षा और रचनात्मक कार्य कराने वाले संस्थान ही अच्छा परिणाम देने में सक्षम हो पाते हैं। उनका संस्थान अपने कुल खर्च का 25 प्रतिशत इन्वेंशन पर खर्च करता है।

- नफा नुकसान टीम



खाद्यान्न को बचाना है तो वेयरहाउसिंग कारोबार को देना होगा प्रोत्साहन

वेयरहाउसिंग कारोबारियों को वेयरहाउस को लीज पर देने में सर्विस टैक्स और इनकम टैक्स से पूर्णतः छूट मिले तो कोटा समेत सारे राज्य में वेयरहाउसिंग कारोबार पनप सकता है। कोटा के वेयरहाउसिंग कारोबारी नेमीचन्द्र चन्द्र प्रकाश प्रा. लिमिटेड के निर्माता कुमार जैन ने बताया कि हिन्दुस्तान में कोल्ड स्टोरेज की कमी के कारण ही प्रतिवर्ष लाखों टन खाद्यान्न खराब हो जाता है। इसीलिए सरकार को वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए। उन्होंने बताया कि वेयरहाउसिंग कारोबार पर किसी प्रकार का सर्विस टैक्स नहीं है लेकिन यदि कोई कारोबारी वेयरहाउस को किसी अन्य व्यापारी को भण्डारण के लिए लीज पर देता है तो उसे 12.5 प्रतिशत की दर से सर्विस टैक्स चुकाना होता है। इस प्रकार नये कारोबारी के लिए वेयरहाउसिंग कारोबार अनाकर्षक हो गया है। इसके अलावा वेयरहाउसिंग कारोबार की ज्यादातर कमाई इनकम टैक्स में खप जाती है।



जारी नहीं किया गया है।

संभावनायुक्त लेकिन लागत से बाहर

जैन के अनुसार वर्तमान में कोटा संभाग में शामिल कोटा, बारां, बूंदी और रामगंज मंडी में 40 लाख बोरी भण्डारण की क्षमता है लेकिन वर्तमान उपज के अनुसार कोटा संभाग में अभी भी 40 लाख बोरी भण्डारण के वेयरहाउस की आवश्यकता है परंतु करोड़ों रुपये निवेश करने के बाद भी

इस कारोबार में रिटर्न नहीं है। उनके अनुसार वेयरहाउस निर्माण करने की लागत करीब 600 रुपये प्रति वर्ग फीट है और जमीन की कीमतें आवश्यक जगहों पर करीब 400 रुपये प्रति वर्ग फीट हैं लेकिन वेयर हाउस का किराया 5 से 6 रुपये प्रति वर्ग फीट ही चल रहा है।

यदि एक करोड़ रुपये के निवेश पर 60000 रुपये का लाभ। उसमें से भी सर्विस टैक्स और इनकम टैक्स से लाभ राशि कम हो जाती है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा कृषि भूमि से औद्योगिक भूमि में रूपान्तरण करवाने की लागत को दोगुना कर दिया गया है। इससे भी वेयरहाउस स्थापित करना अनाकर्षक हो गया है। अगर वेयरहाउस के निर्माण पर 25 प्रतिशत सब्सिडी दी जाये तो वेयरहाउसिंग कारोबार पनप सकता है। कोटा संभाग खाद्यान्न उत्पादन के लिहाज से कोटा का प्रमुख शहर है। ऐसे में यहां वेयरहाउस कारोबार के लिए व्यापक कारोबारी अवसर हैं।

- नफा नुकसान टीम

With Best Complements From

Devendra Stone & Marbel

A Unit of Devendra Dall Mill's
G-398, I.P.I.A., Kota

Devendra Kumar & Company

Grain Merchant & Commission Agent
A16, Bhamasha Mandi, kota

Devendra Kumar Jain 98290-36783
Paras Kumar Jain 9460054485
Jambu Jain 9352990623
Jitendra Kumar Jain 9414189438

With Best Complements from

THE SSI ASSOCIATION, KOTA

Organisation of Small Scal Industries of Hadoti Region: Affiliated at All India Level

Suresh Bansal
(President)
Mob: 9829046655

Navendu Dwivedi
(Secretary)
Mob: 9829037941

"PURUSHARTH BHAWAN", Road No. 5, Indraprastha Industrial Area, Kota - 324 005. Tel: 0744-2424164, Fax : 0744-2428748, E-mail : ssiakota@gmail.com

Manufacturer of

All types of CNC Turned Precision Components

MOULDING ITEMS

BOBBINS

COPS

Trim Engineering Services

Office Add.: 7-Aerodrome Circle, Kota-324005 (Rajasthan), India
Factory Add.: H-222 Kuber Industrial Area, Ranpur, Kota (Raj.)
Contact no.: +91-744-2845055 & 2845044, M. +91-9352602343
Email: info@trimengineering.in, trim_triman@yahoo.co.in
Web: www.trimengineering.in

With Best Complements from

Nemi Chand Chandra Prakash Pvt. Ltd.

(Moikalan wale)
Ware Housing

Nami Chand / Chandra Prakash

Grain Marchant & Comsion Agent

N.C. & Co.

Dhania Grading Unit

Deals in all type of Agri Commodities

TRADING FINANCING WAREHOUSING

Office : B-100, Seth Bhamashah
Krishi Upaj Mandi, Kota-324005 (Raj.)

Head Office : Plot No. A, 211(B), I.P.I.A.,
Road No. 6, Anantpura, Kota (Raj.)

Chandra Prakash Jain 94141 88044
Nirmal Kumar Jain 98290 36044

With Best Complements From

For Quality Strength and Durability
Always insist on

BIRLA UTTAM BRAND

ORDINARY PORTLAND & PORTLAND POZOLANA CEMENT
OF
Mangalam cement Ltd.

सर्व श्रेष्ठ - सर्वोत्तम

Regd. Office Aditya Nagar - 326520
Morak Distta. Kota (Rajasthan)
Phone : (07459) 232156
Fax : (07459) 232036, 232156
E-mail : mclmorak@kappa.net.in
www.mangalamcement.com

Kota Office
93, Dasher Scheme
P.O. Dadabari 324009
Kota (Rajasthan)
Phone : (0744) 2500266, 3098600
Fax : (0744) 2500178
E-mail : mclcta@kappa.net.in



कोटा अर्थव्यवस्था के स्तम्भ बन गए हैं हॉस्टल

कोटा की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में यहाँ मौजूद छोटे- बड़े करीब 500 हॉस्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा की अर्थव्यवस्था में हॉस्टलों से 20 से 25 करोड़ रुपये की नकदी का प्रवाह होता है। गौरतलब है कि कोटा इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध स्थान के रूप में स्थापित हो गया है। कोटा शहर में करीब 1.50 लाख बच्चे इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इन छात्रों में ज्यादातर देश के अन्य भागों के रहने वाले हैं और इसीलिए उनको रहने के लिए हॉस्टल की आवश्यकता पड़ती है। एक बच्चे के हॉस्टल में ठहरने का खर्चा प्रतिमाह करीब 5 से 10 हजार रुपये आता है।

रीको भूमि पर हॉस्टल निर्माण से उपजा विवाद

रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित चार बड़ी कोचिंग सेन्टरों के समीप इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र की भूमि पर मांग के अनुरूप कारोबारियों ने कोचिंग स्थापित कर लिये। रीको ने कारोबारियों को नोटिस भेज कर सेटबैक नियमों के अनुसार निर्माण नहीं करने और प्रति वर्ग मीटर 9000 रुपये जमा कराने के नोटिस भेजे हैं। व्यापारियों का कहना है कि चार बड़े कोचिंग सेन्टरों को औद्योगिक क्षेत्र में रियायती दरों पर जमीन दी गई थी लेकिन हॉस्टल निर्माताओं को किसी प्रकार की छूट नहीं दी गई। इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में करीब 40 से 45 हॉस्टल निर्मित हो गये हैं और

इनके निर्माण पर कारोबारियों ने करोड़ों रुपये का निवेश किया है।

लाखों बच्चे रहते हैं हॉस्टलों में

गौरतलब है कि कोटा की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कोचिंग है। पूरे देशभर से करीब 1.50 लाख बच्चे कोटा में इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कोटा में करीब 1.25 लाख बच्चे हॉस्टल में रहते हैं। कोटा एक शैक्षणिक नगरी है और इसका अस्तित्व बनाये रखने के लिए हॉस्टल का अस्तित्व भी बनाये रखना आवश्यक है। एसएसआई के अध्यक्ष सुरेश बंसल के अनुसार सरकार को इस समस्या का तुरंत सकारात्मक हल निकालने पर पहल करनी चाहिए। एसएसआई के पूर्व अध्यक्ष अनिल मूंदडा के अनुसार हॉस्टल को स्थायी करने के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए।

होटल और हॉस्टल के अर्थान्वयन में दिक्कतें

रीको के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में होटल स्थापित करना एक व्यावसायिक गतिविधि है जबकि मूंदडा के अनुसार एसएसआई अधिनियम में होटल को औद्योगिक गतिविधियों की सूची में शामिल किया गया है इसीलिए औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड मालिक कानूनन होटल और हॉस्टल निर्मित कर सकता

है। जहाँ तक होटल और हॉस्टल के नाम की बात है, शाब्दिक अर्थ और कार्यप्रणाली के हिसाब से होटल और हॉस्टल दोनों एक ही हैं क्योंकि दोनों जगहों को राशि देकर सराय की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

हजारों लोगों को मिल रहा है रोजगार

कोटा में 1.25 लाख बच्चे हॉस्टल में रहते हैं। इन बच्चों को हॉस्टल की सुविधा प्रदान करने से करीब 7 से 8 हजार लोगों को रोजगार मिल रहा है। यातायात, टिफिन सेन्टर और अन्य सुविधाएं देने से लोगों को रोजगार मिल रहा है, वहीं इससे कोटा शहर की अर्थव्यवस्था में प्रतिमाह 20 से 25 करोड़ रुपये का प्रवाह भी होता है।

- नफा नुकसान टीम

Shiv Our Products Basket

BE INDIAN BUY INDIAN

SOYA REFINED OIL PRODUCT RANGE

KACHCHI GHANI MUSTARD OIL PRODUCT RANGE

MEAL PRODUCT RANGE

Refinery & Solvent Extraction Unit: "Shiv Agro Ltd." Jhalawar Road, Baran (Raj.) Ph. : 07453-214833, 93145-48332

Hacking House: "Shiv Trading Co." Jhalawar Road, Baran (Raj.) Ph. : 07453-230213, 230213

Finance Firm: "Shiv Finloan Ltd." Jhalawar Road, Baran (Raj.) Ph. : 07453-230334

Briquettes Manufacturing Unit: "Brijang Kumar Brijprakash Baboo" Jhalawar Road, Baran (Raj.) Ph. : 07453-274859

Refinery & Solvent Extraction Unit: "Shiv Edibles Ltd." Spl. Plot No. 1 & 2, RIICO Agro Food Park, Village Rampur, Jhalawar Road, Kota (Raj.) Ph. : 0744-239827, 239829

Refinery & Solvent Extraction Unit: "Shiv Vegpro (P) Ltd." Spl. Plot No. 3, RIICO Agro Food Park, Village Rampur, Jhalawar Road, Kota (Raj.) Ph. : 0744-239827, 239829

Milk Processing Unit: "Shiv Health Foods LLP" RIICO Agro Food Park, Phase-II, Village Rampur, Jhalawar Road, Kota (Raj.) Ph. : 0744-239827

सपना करे साकार... बढ़ाये फसलों का उत्पादन और किसानों में अटूट विश्वास!

ज.पी. सोना उर्वरक सिंगल सुपर फॉस्फेट (खाद पाउडर)

निर्माता: **जगदम्बा फॉस्फेट**

20-बी, भीमपुरा इण्डस्ट्रियल एरिया, कोटा (राज.) फोन: 0744-2366271, 2366587, मो.: 97999 27877, 95711 13200, E-mail : jagdambaphosphate@gmail.com

कोटा स्टोन सैंड स्टोन रफ पॉलिश

पेस्टीसाइड्स (कीटनाशक दवाइयां) सिंगल सुपर फॉस्फेट फर्टिलाइजर

J.K. INDUSTRIES

22, SMALL SCALE INDUSTRIAL AREA, KOTA-324 007 (Raj.). Phone : 2366271, 2366587, 2411789, Fax : (0744) 2361788, E-mail : jkstone_kota@yahoo.co.in

विशेष : एक्सपोर्ट क्वालिटी का माल तैयार किया जाता है।

प्रसिद्ध 3 स्टार सल्फर एवं जे.पी. डोल मिथाइल पैराथियान इस्ट पाउडर कीटनाशक दवाओं के निर्माता

जगदम्बा पेस्टीसाइड्स प्राइवेट लिमिटेड

नई पीढ़ी के अनुसार ज्वैलरी का निर्माण कर रहे हैं ज्वैलर्स

ज्वैलर्स अपने ग्राहकों के लिए परंपरागत ज्वैलरी के अलावा अब नयी पीढ़ी की पसंद के अनुसार भी ज्वैलरी निर्माण करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। युवाओं में डायमण्ड और प्लेटिनम ज्वैलरी का क्रेज ज्यादा बढ़ रहा है। कोटा की प्रमुख ज्वैलरी फर्म वल्लभम सराफ के संस्थापक श्रीनाथ सराफ ने कहा कि उनकी फर्म मुख्य रूप से परंपरागत राजस्थानी ज्वैलरी का निर्माण करती है लेकिन उन्होंने नई पीढ़ी की पसंद अनुसार भी ज्वैलरी का निर्माण करना शुरू किया है इसीलिए उनके यहाँ यूथ को पसंद आने वाली लाईट और

फैंसी ज्वैलरी भी बिक्री के लिए उपलब्ध है। उनकी फर्म की खासियत कुन्दन,मीना और जड़ाऊ के आभूषण निर्माण करने में है। सराफ ने बताया कि ज्वैलरी कारोबार विश्वास पर आधारित कारोबार है इसीलिए उनकी फर्म में ग्राहकों के विश्वास को कायम रखने के उपाय किए जाते हैं। ग्राहकों को अच्छी ज्वैलरी प्रदान करने के लिए अनुभवी ज्वैलरी कारीगरों की सेवा मिलना भी काफी अहम होता है। अनुभव से बनाई गई ज्वैलरी देखने वालों का मन मोह लेती है। सराफ ने बताया कि वर्तमान में एमसीएक्स और वायदा कारोबार से ज्वैलरी कारोबारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हर पल सोना, चांदी की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव का ध्यान रखना पड़ रहा है। सरकार द्वारा सोने पर कस्टम ड्यूटी भी 10 प्रतिशत करने से सोने से आभूषण निर्माण की लागत बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि सरकार की स्वर्ण नीति आभूषण कारोबार के लिए सही नहीं है। सरकार द्वारा अनावश्यक अंकुश लगाने से व्यापार प्रभावित होता है। उनके मुताबिक बजट में रंगीन रत्नों को शुल्क मुक्त करने से राजस्थान का रत्न उद्योग और अधिक विकसित होगा।

- नफा नुकसान टीम

बजाज सरिया लगाओ, भविष्य के लिए सुरक्षित हो जाओ।

BAJAJ TMT सरिया

हाड़ौती का एकमात्र अपना सरिया CM/L-3133337 ISO 9001:2008 Fe-500 PLUS

बेमिसाल मजबूती का आधार आपका अपना **BAJAJ TMT सरिया**

- Thermo Mechanically Treated.
- Super Flexibility.
- Diameter - 8mm to 32mm
- High Strenght Deformed Steel Bars for Concrete Reinforcement
- Fire Resistance Upto 650° C.
- Best Ribs for Better Grip with Cement
- GRADE : Fe 415, Fe 500 & Fe 550
- Length - 12 meter Standard & as per Requirement Order.

निर्माता: **प्रेम जैन इस्पात उद्योग प्रा.लि.**

SPL-256, कुबेर-II, रिको इण्डस्ट्रियल एरिया, रानपुर, कोटा (राज.) फोन : 0744-2366132, 2112269, 2112220, फैक्स : 0744-2364283 मोबाइल : 98752 42733, 98752 42730, ई-मेल : premispata@gmail.com

बजाज सरिया लगाओ, भविष्य के लिए सुरक्षित हो जाओ।

With Best Compliments From

RUKMANI DEVI GARG AGRO IMPEX PVT. LTD

VISHAL AND COMPANY

INDIAN WAREHOUSING CORPORATION LTD

AGRIRICH WAREHOUSING COMPANY PVT LTD

Deal in all Type of Agri Commodities

★ TRADING ★ FINANCING ★ WAREHOUSING

P-7, Seth Bhamashah Krishi Upaj Mandi, Anantpura, Kota-324005 (Raj.) Phone Office: +91 744 2490622, 2490722, 2490322, 2490329 Fax: +91 744 2490422 Email: rukmanidevigarg@gmail.com Mobile: +91 9414187322, +91 9887733111